



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

12/3/87

सं. 52]
No. 52]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 28, 1987/माघ 8, 1908
NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 28, 1987/MAGHA 8, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1987

अधिसूचना

सीमाशुल्क

सा का नि 66(अ) —केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अतः यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के शीर्ष सं 71.06 के अंतर्गत आने वाली चादी को, जब उसका भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय को लोक सूचना सं 135-आई टी सी (पी एन) 85—88, तारीख 8 दिसम्बर, 1986 द्वारा अधिसूचित विदेशी केना द्वारा प्रदाय की गई चांदी के बदले चांदी के

आभूषण और वस्तुओं के निर्यात की स्कीम के अधीन भारत में आयात किया जाए, उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट उस पर उद्ग्रहणीय समस्त सीमाशुल्क से निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहने हुए छूट देती है कि—

- (i) आयातकर्ता भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिए गए साधारण या विशिष्ट अनुज्ञापत्र के अंतर्गत आता है,
- (ii) विदेशी केना द्वारा प्रदाय की गई चांदी के बदले चांदी के आभूषण और वस्तुओं के निर्यात की उक्त स्कीम की दशा में, आयातकर्ता या उसका प्राधिकृत प्रतिनिधि, सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट प्ररूप में और राशि के लिए स्वयं यह वचनबद्ध करने हुए एक बंधपत्र निष्पादित करेगा कि वह चांदी के आभूषण या वस्तुओं का, जिनके अंतर्गत ऐसी जटिल वस्तुएं हैं जिनमें चांदी

की मात्रा आयातित चांदी की मात्रा के बराबर है, निर्यातकर्ता और चांदी के विदेशी प्रदायकर्ता के बीच सुप्रगत संविदा में निम्न अश्वधि के भीतर या ऐसी बड़ाई गई अश्वधि के भीतर, जो सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर पर्याप्त हेतुक दर्शित किए जाने पर अनुमत करे, निर्यात करेगा और इस बात के लिए आबद्ध करेगा कि वह मांग किए जाने पर चांदी की ऐसी मात्रा पर शुल्क का संदाय करेगा जो आयातित मात्रा और आयातित चांदी की वस्तुओं में अंतर्विष्ट मात्रा के बीच के अंतर के बराबर है।

[सं. 30/87-फा. सं. 305/85/86-एफ टी टी]

संदीप जांशी, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 28th January, 1987

NOTIFICATION

CUSTOMS

G.S.R. 66(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts silver falling under Heading No. 71.06 of the First Schedule to the

Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India under the Scheme for export of silver jewellery and articles against silver supplied by the foreign buyer notified by the Government of India, in the Ministry of Commerce, in the Public Notice No. 135-ITC(PN)/85—88, dated 8th December, 1986, from the whole of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule, subject to the conditions, that—

- (i) the importer is covered by a general or specific permit issued by the Reserve Bank of India;
- (ii) in the case of the said Scheme of export of silver jewellery and articles against silver supplied by the foreign buyer, the importer or his authorised representative executes a bond in such form and for such sum as may be specified by the Assistant Collector of Customs, undertaking himself to export silver jewellery or articles, including studded articles having silver content equivalent to the imported silver within the period stipulated in the relevant contract between the importer and the foreign supplier of silver, or such extended period as the Assistant Collector of Customs on sufficient cause being shown may allow, and binding himself to pay on demand duty on a quantity of silver representing the difference between the quantity imported and that contained in the exported jewellery or articles.

[No. 30/87-F. No. 305/85/86-FTT.]

SANDEEP JOSHI, Under Secy